हिन्दी उर्दू, उर्दू हिन्दी और भारतेन्दु की भूमिका

डॉ मधूलिका मिश्र

प्राचीनतम के पोषक, नवीनता के उन्नायक, वर्तमान के व्याख्याता और भविष्य के द्रष्टा भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने हिन्दी के साथ–साथ उर्दू की भी श्रीवृद्धि की है। भारतेन्दु युग के लेखकों ने हिन्दी के साथ उर्दू में भी पर्याप्त मात्रा में लिखा है। इस युग के हिन्दी व उर्दू साहित्य ने हिन्दू–मुस्लिम एकता स्थापित की।